भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश् वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर ने उद्योग पेशेवरों के लिए सिस्टम इंजीनियरिंग में मिश्रित मोड एम.टेक कार्यक्रम शुरू किया

भुवनेश्वर, भारत, 21 जुलाई, 2025: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने सिस्टम इंजीनियरिंग में अपने अभिनव मिश्रित मोड एम.टेक कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा की है, जो विशेष रूप से उद्योग में काम करने वाले पेशेवरों के लिए डिज़ाइन किया गया है। अपनी तरह की इस अनूठी पहल का उद्देश्य शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटना है, जिससे इंजीनियरों को आधुनिक सिस्टम इंजीनियरिंग में अपनी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए संयंत्रों या औद्योगिक सेटिंग्स में न्यूनतम तीन साल का अनुभव प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा सके।

यह एम.टेक कार्यक्रम सिस्टम व्यवहार के मॉडलिंग, सिस्टम प्रदर्शन का परीक्षण, सिस्टम के डिजाइन और विश्वसनीयता इंजीनियरिंग, सांख्यिकीय मशीन लर्निंग जैसे सिस्टम व्यवहार की भविष्यवाणी करने के लिए उपकरणों और तकनीकों पर अपने पाठ्यक्रमों के माध्यम से इंजीनियरिंग सिस्टम के व्यवहार को समझने के लिए आवश्यक ज्ञान बनाने में मदद करेगा। सिस्टम इंजीनियरिंग से जुड़ी विभिन्न भूमिकाओं के लिए इंजीनियरों को तैयार करने के लिए सिस्टम इंजीनियरिंग के तकनीकी प्रबंधन पहलुओं को आवश्यकता प्रबंधन पर एक पाठ्यक्रम के माध्यम से भी कवर किया जाएगा। सिस्टम इंजीनियरिंग एम.टेक प्रोग्राम के लिए पाठ्यक्रम एप्लाइड मटेरियल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एप्लाइड मटेरियल्स, इंक. की सहायक कंपनी, के सहयोग से विकसित किया गया था, जो सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए सामग्री इंजीनियरिंग समाधान में वैश्विक नेता है।

कार्यक्रम के शुभारंभ पर बोलते हुए, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर ने जोर देकर कहा, "इस तरह के कार्यक्रम शिक्षा और उद्योग के बीच गहरे सहयोग को बढ़ावा देते हैं। पेशेवर विकास से परे, वे संयुक्त अनुसंधान और विकास के लिए रास्ते खोलते हैं, जिससे ऐसे नवाचारों को

बढ़ावा मिलता है जो समाज को महत्वपूर्ण रूप से लाभान्वित कर सकते हैं और आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि में योगदान कर सकते हैं।"

इसे जोड़ते हुए, प्रो. चन्द्रशेखर भेंडे, डीन (स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान कार्यक्रम), आईआईटी भुवनेश्वर ने उल्लेख किया कि यह बहु-विषयक पाठ्यक्रम उद्योग की उभरती जरूरतों को पूरा करने वाली लचीली शिक्षा प्रदान करने के प्रति हमारे समर्पण को प्रदर्शित करता है। कार्यक्रम को शिक्षार्थियों को अपने संगठनों में नवाचार को बढ़ावा देने और जटिल इंजीनियरिंग परियोजनाओं का नेतृत्व करने के लिए आवश्यक कौशल के साथ सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कार्यक्रम के बारे में बोलते हुए, एप्लाइड मैटेरियल्स इंडिया में इमेजिंग और प्रोसेस कंट्रोल ग्रुप के वरिष्ठ निदेशक, श्री सुजीत झा, जिन्होंने कार्यक्रम की कल्पना करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, ने उन्नत, मल्टी-डोमेन प्रौद्योगिकियों को विकसित करने में सिस्टम इंजीनियरिंग के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने अकादमिक संवर्धन कार्यक्रमों के लिए एप्लाइड मैटेरियल्स के समर्थन पर भी जोर दिया जो छात्रों को सेमीकंडक्टर और संबद्ध उद्योगों में करियर के लिए तैयार करता है। श्री झा ने कार्यक्रम के शुभारंभ और सफलता के बारे में उत्साह व्यक्त किया।

स्कूल ऑफ मिनरल्स, मेटलर्जिकल एंड मैटेरियल्स इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर और कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. श्रीकांत गोलापुडी भी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने कार्यक्रम का अवलोकन प्रदान किया। कार्यक्रम जल्द ही शुरू होने वाला है, जिसमें इस लचीले शिक्षण मॉडल के माध्यम से अपने सिस्टम इंजीनियरिंग दक्षताओं को आगे बढ़ाने के इच्छुक पात्र उद्योग पेशेवरों की भागीदारी होगी।